

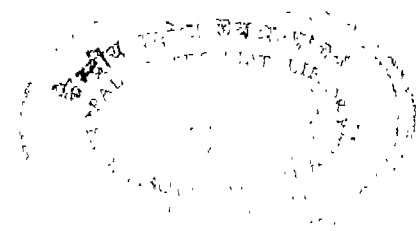


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 14]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 19, 1990/चैत्र 29, 1912

No. 14]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 19, 1990/CHAITRA 29, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भारतीय खाद्य निगम

अधिसूचना सं. 52

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1990

सं. ई. पी. 41-2/89.—खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार की पूर्वानुमति से भारतीय खाद्य निगम (अंशद्वयी अविष्य निधि) विनियम, 1967 में आगे संशोधन के लिए भारतीय खाद्य निगम निम्न विनियम बनाती है तागत :—

1. (1) ये विनियम भारतीय खाद्य निगम (अंशद्वयी अविष्य निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1990 कहें जायेंगे।

(2) ये तुरन्त प्रभावी होंगे।

2. भारतीय खाद्य निगम (अंशद्वयी अविष्य निधि) विनियम, 1967 के विनियम 1(3) के अंतर्गत उप परन्तुक (V) के बाव एक नया परन्तुक जोड़ कर निम्नलिखित पढ़ा जाए :—

“(vi) भारत सरकार की अधिसूचना सं. यू. 23013(1)/88/एस डब्ल्यू-विनांक 29-8-1989 द्वारा अधिसूचित 56 डिग्री में सीधो भुगतान प्रणाली पर कार्यरत मजदूरों तथा इसी प्रकार इस आणख से अधिसूचित किये जाने वाले अन्य डिग्री।”

भा. खा. नि. (अं. प्र. नि.) विनियम, 1987 में हुए संशोधनों की सूची

क्र.सं.	शीर्षक	गजट का भाग	प्रधिसूचना की तारीख
1.	भा. खा. नि. (अं. प्र. नि.) विनियम, 1987	भाग—III खण्ड—4	27-5-1987
2.	भा. खा. नि. (प्रं. प्र. नि.) (पहला संशोधन) विनियम, 1969	-वही-	6-6-1969
3.	भा. खा. नि. (प्रं. प्र. नि.) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1969	-वही-	8-9-1969
4.	भा. खा. नि. (प्रं. प्र. नि.) (तीसरा संशोधन) विनियम, 1980	-वही-	20-12-1980
5.	भा. खा. नि. (अं. प्र. नि.) (चौथा संशोधन) विनियम, 1982	-वही-	23-1-1982
6.	भा. खा. नि. (प्रं. प्र. नि.) (पाँचवां संशोधन) विनियम, 1982	-वही-	28-8-1982
7.	भा. खा. नि. (प्रं. प्र. नि.) (छठा संशोधन) विनियम, 1983	-वही-	7-5-1983
8.	भा. खा. नि. (प्रं. प्र. नि.) (सातवां संशोधन) विनियम, 1983	-वही-	27-8-1983
9.	भा. खा. नि. (अं. प्र. नि.) (आठवां संशोधन) विनियम, 1987	-वही-	3-9-1987
10.	भा. खा. नि. (प्रं. प्र. नि.) (नौवां संशोधन) विनियम, 1988	-वही-	6-7-1988
11.	भा. खा. नि. (प्रं. प्र. नि.) (दसवां संशोधन) विनियम, 1989	-वही-	10-2-1989
12.	भा. खा. नि. (प्रं. प्र. नि.) (पहला संशोधन) विनियम, 1990	-वही-	1-3-1990

## FOOD CORPORATION OF INDIA

## NOTIFICATION NO. 52

New Delhi, the 19th April, 1990

No. EP. 41-2/89.—In exercise of the powers conferred by Section 45 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) and with the previous sanction of the Government of India, the Food Corporation of India hereby makes the following Regulations further to amend the Food Corporation of India (Contributory Provident Fund) Regulations, 1967 namely:—

1. (1) These Regulations shall be called the Food Corporation of India (Contributory Provident Fund) (2nd Amendment) Regulations, 1990.

(2) They shall come into force with immediate effect.

2. A new proviso under Regulation 1(3) of the Food Corporation of India (Contributory Provident Fund) Regulations, 1967 shall be added after sub proviso (v) to read as under:—

“(vi) to the Direct Payment System Workers in the 56 depots as notified by the Government of India vide Notification No. U. 23013 (1)/88-LW dated 29-6-1989 and to such other depots as may be similarly notified in this behalf.”

## LIST OF PREVIOUS AMENDMENTS TO THE FCI (CPF) REGULATIONS, 1967

Sl. No.	Title	Part of Gazette	Date of Notification
1.	FCI (CPF) Regulations, 1967	Part III Section IV	27-5-1967
2.	FCI (CPF) (1st Amendment) Regulations, 1969	-do-	6-6-1969
3.	FCI (CPF) (2nd Amendment) Regulations, 1969	-do-	8-9-1969
4.	FCI (CPF) (3rd Amendment) Regulations, 1980.	-do-	20-12-1980
5.	FCI (CPF) (4th Amendment) Regulations, 1982	-do-	23-1-1982
6.	FCI (CPF) (5th Amendment) Regulations, 1982.	-do-	28-8-1982
7.	FCI (CPF) (6th Amendment) Regulations, 1983	-do-	7-5-1983
8.	FCI (CPF) (7th Amendment) Regulations, 1983	-do-	27-8-1983
9.	FCI (CPF) (8th Amendment) Regulations, 1987	-do-	3-9-1987
10.	FCI (CPF) (9th Amendment) Regulations, 1988	-do-	6-7-1988
11.	FCI (CPF) (10th Amendment) Regulations, 1989	-do-	10-2-1989
12.	FCI (CPF) (1st Amendment) Regulations, 1990	-do-	1-3-1990

## अधिसूचना संख्या 53

सं. ई. पी. 39-3/83.—खाद्य निगम अधिनियम 1964 (1964 का अधिनियम 37) की धारा 45 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार को पूर्वानुमति से भारतीय खाद्य निगम (मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान) विनियम, 1967 में प्राग संशोधन के लिए भारतीय खाद्य निगम एतद्वारा निम्न विनियम बनाता है:—

1. (1) ये विनियम भारतीय खाद्य निगम (मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान) पहला संशोधन) विनियम, 1990 कहलायेंगे।
- (2) ये संशोधन 1-1-1986 से प्रभावी होंगे।
2. भा. खा. नि. (मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान) विनियम, 1967 के विनियम 2, 4 तथा 5 के अंतर्गत निम्न उप-विनियम जोड़ें:—

विनियम संख्या	जोड़ें जाने वाले उप-विनियम
2. उपयुक्तता	2(एक)—प्रस्थायी कर्मचारियों 2(बी)—सरकारी कर्मचारी तथा प्रतिनियुक्ति की शर्तों के अधीन अन्य कर्मचारी 2(एच)—प्रशिक्षु तथा प्रशिक्षार्थी 2(आई)—पुनर्नियोजित व्यक्ति
4. स्थितियाँ	4(1)(डी)—यदि समाप्त कर दिये जाने के कारण सेवा-मुक्त 4(1)(ई)—शारीरिक अथवा मानसिक अशक्तता के कारण स्थायी असमता 4(1)(एफ)—5 वर्ष की अर्हक सेवा के बाद
5. उपदान की राशि	5(2)(बी)—निगम में 20 वर्ष त्यागपत्र/सेवा निवृत्ति अर्हक सेवा को प्रत्येक छमाही पूर्ण अथवा अधिक की सेवा करने पर करने पर द्वांशे माह की परिलब्धियाँ— अधिकतम सीमा परिलब्धियों का 33 गुना बराबर कि मृत्यु उपदान की राशि किसी भी दशा में एक लाख रुपये से अधिक न हो। 5(5) केन्द्र सरकार के उन कर्मचारियों के संदर्भ में जिन्होंने निगम में समाहित होने का विकल्प दिया है। सरकार तथा निगम के अधीन की गयी सेवा के लिए उन्हें देय कुल उपदान की राशि उस राशि से अधिक नहीं होनी चाहिए जितनी की सरकार के अधीन सेवा जारी रहने तथा उसी वेतन पर सेवा निवृत्त हो जाने पर देय होती जो कि वह निगम से सेवा निवृत्ति पर पाता है।

3. भारतीय खाद्य निगम (मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान) विनियम, 1967 के वर्तमान विनियम 4(2), 4(4), 5(1), 5(2)(सी), 5(4) तथा विनियम 5(1) और (4) के व्याख्यात्मक भाषण को प्रतिस्थापित कर निम्नानुसार पढ़ा जाए:—

विनियम संख्या	संशोधित विनियम
4. स्थितियाँ	4(2) ऐसे कर्मचारियों को जो पांच वर्ष की सेवा पूरी करने से पहले त्याग पत्र देता है (विशेषतः अनुमोदित योजना के अंतर्गत स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति त्यागपत्र नहीं माना जाएगा) अथवा परीक्षा काल के दौरान ही जिसे मौकरी से निकाल दिया गया हो, उपदान का पात्र नहीं होगा। 4(4) यदि कोई कर्मचारी किसी अन्य सांख्यिकीय उपक्रम से निगम की सेवा में दोनों नियोजताओं की सहमति से जाता है और वह सांख्यिकीय उपक्रम जिससे वह निगम में स्थानान्तरित हुआ है, इस निगम को उसके स्थानान्तरण के समय

इस उपक्रम में उस व्यक्ति द्वारा की गई सेवा के फलस्वरूप उपदान की देय राशि को निगम को जमा करता है तो उस सेवा काल की सीमा तक इन नियमों की शर्तों में उपदान के भुगतान के उद्देश्य से निगम में अर्हक सेवा समझी जाएगी। इस प्रकार जहाँ निगम का कर्मचारी दूसरे सांख्यिकीय उपक्रम में दोनों नियोजताओं की सहमति से जाता है, वहाँ ऐसे कर्मचारी द्वारा निगम में की गई सेवा के दौरान इन विनियमों के अधीन देय सीमा तक अर्जित उपदान उसके स्थानान्तरण के समय उस उपक्रम को दी जाएगी। न्यूनतम 5 वर्षों की अर्हक सेवा की शर्त पर जोर नहीं दिया जाएगा, जब दोनों नियोजताओं की सहमति से ऐसे स्थानान्तरण हुए हों।

5(1) उपदान की राशि, सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष हेतु, एक माह की परिलब्धियों के 15/26 के समान होगी, या उसके किसी भाग, जो छः अंशों में से अधिक के लिए हो, उसके अंश के संदर्भ में समान होगी, जिसकी अधिकतम राशि, मासिक परिलब्धियों के 10-1/2 गुणा, या अर्थात् 1,00,00/- इन्में से जो भी कम हो, के बराबर होगी।

1

2

5(2)-(सी) सेवा के 5 वर्षों की समाप्ति के पश्चात् लेकिन 12 महीनों की परिलब्धियाँ  
निगम में 20 वर्षों की सेवा से पहले

5(4)—इन विनियमों के सम्बन्ध में “परिलब्धियों” का अर्थ (इन शब्दों में शामिल है मूलवेतन, विशेष वेतन यदि कोई हो, मंहगाई भत्ता, छुट्टी वेतन, निर्वाह अनुदान तथा ऐसी अन्य परिलब्धियाँ/भत्ते, जो उपदान हेतु समय-समय पर गणना हेतु घोषित किये गए हों) सेवा निवृत्ति की तिथि या उसकी मृत्यु की तिथि से तुरन्त पहले आने वाली तिथि को लिये गए अंतिम वेतन से है। उपदान परिकल्पन हेतु परिलब्धियों की गणना करने पर कोई उच्चतम सीमा नहीं होगी।

विनियम 5(1) तथा 5(4)—का व्याख्यात्मक ज्ञापन

भा. आ. नि. (मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान) विनियम, 1967, यूरो फ़ॉफ पब्लिक एंटरप्राइजेज (बी पी ई) उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार को मॉडल उपदान योजना पर आधारित है, जिसमें हाल में ही उपदान की राशि रु० 50,000 की अधिकतम सीमाको बढ़ाकर रु. 1,00,000 कर दी गयी है। तथा उन सार्वजनिक उपक्रम के कर्मचारी जो उपदान भुगतान अधिनियम, 1972 के अधीन नहीं आते हैं और जो 1-1-86 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हुए हैं उनके लिए उपदान परिकल्पन हेतु गणना योग्य परिलब्धियों पर न्युन उच्चतम सीमा को बी. पी. ई. के का. आ. सं. 2(29)/75-बी. पो. ई. (डब्ल्यूसी) दिनांक 23-6-88 और दिनांक 1-12-88 द्वारा हटा दिया गया है।

### NOTIFICATION NO. 53

No. EP. 39-3/83—In exercise of the powers conferred by Section 45 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) and with the previous sanction of the Government of India, the Food Corporation of India hereby makes the following Regulations further to amend the Food Corporation of India (Death-cum-Retirement Gratuity) Regulations, 1967:

1. (1) These Regulations shall be called the Food Corporation of India (Death-cum-Retirement Gratuity) (1st amendment) Regulations, 1990.

(2) These amendments shall be deemed to have come into force w.e.f. 1-1-1986.

2. The following sub-Regulations under Regulations 2, 4 & 5 of the FCI (DCRG) Regulations, 1967 shall be added as under:-

Regulation No.	Added sub-Regulations
2. Applicability	2(f)—Non-regular employees; 2(g)—Government servants and other employees on deputation terms; 2(h)—Apprentices and trainees; 2(i)—Re-employed persons.
4. Circumstances	4(1)(d)—Discharge on abolition of post. 4(1)(e)—Permanent incapacity due to bodily or mental infirmity. 4(1)(f)—Resignation/Retirement after 5 years qualifying service.
5. Amount of Gratuity	5(2)(d) After completion of 20 years of service or more in the Corporation. Half a month's emoluments for each completed half year of qualifying service, subject to a maximum of 33 times the emoluments, provided the amount of death gratuity shall in no case exceed one lakh rupees.  5(5) —In respect of Central Government employees who have opted for absorption in the Corporation the total gratuity admissible in respect of the service rendered under the Govt. and that under the Corporation should not exceed the amount that would have been admissible had the Govt. servant continued in Govt. service and retired on the same pay which he drew on retirement from the Corporation.

3. The existing Regulations 4(2), 4(4), 5(1), 5(2), 5(2)(c), 5(4) and Explanatory Memorandum to Regulation 5(1) and (4) of the Food Corporation of India (Death-cum-Retirement Gratuity) Regulations, 1967 shall be substituted to read as under:-

Regulation No.	Amended Regulation
4. Circumstances	<p>4(2) —Gratuity will not be admissible to an employee who resigns from service before completing five years of service (Voluntary retirement under a duly approved scheme would not constitute resignation) or who has been discharged from service during his period of probation.</p> <p>4(4) —If an employee joins the Corporation from another Public Undertaking with the consent of both the employers, and the Public Undertaking from which he has been transferred to the Corporation pays the gratuity to this Corporation at the time of his transfer, for the service rendered by him in that Undertaking, his service to that extent shall be treated to be qualifying service in the Corporation for the purposes of payment of gratuity in terms of these regulations. Similarly, where an employee of the Corporation joins another Public Undertaking, with the consent of both the employers, the gratuity earned by such employee during service rendered to the Corporation to the extent admissible under these regulations, shall be paid to that Undertaking at the time of his transfer to that Undertaking. The condition of minimum qualifying service of 5 years would not be invoked when such transfer takes place with the consent of both the employers.</p> <p>5(1) —The amount of gratuity will be equal to <math>15/26</math> of a month's emoluments for each completed year of service or part thereof in excess of six months, subject to a maximum of <math>16\frac{1}{2}</math> times the monthly emoluments or Rs. 1,00,000, whichever be less.</p> <p>5(2) —After completion of 5 years of service but before 12 months'</p> <p>(c) 20 years' service in the Corporation. emoluments.</p> <p>5(4) —“Emoluments” for the purpose of these regulations shall mean the last pay drawn (which term includes Basic Pay, Special Pay, if any, dearness allowance, leave salary, subsistence grant and such other emoluments/allowances as may be declared to count for gratuity from time to time) immediately preceding the date of quitting service or the date of his death. There will be no ceiling on reckonable emoluments for calculating the gratuity.</p>

Explanatory Memorandum to Reg. 5(1) & 5(4) —The FCT (DCRG) Regulations, 1967 are based on the model Gratuity Scheme of the Bureau of Public Enterprises (BPE), Ministry of Industry, Govt. of India who have recently increased the ceiling limit of maximum amount of gratuity from Rs. 50,000 to Rs. 1,00,000 and removed the ceiling on the reckonable emoluments for calculating the gratuity, vide BPE's O.M. No. 2(29)/75-BPE (WC) dated 23-6-88 and 1-12-1988 in respect of Public Sector employees who are not covered by the provisions of Payment of Gratuity Act, 1972 and who retire on or after 1-1-86.

## अधिसूचना सं. 54

सं. ई. पी. 39--3/83 खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का अधिनियम 37) की धारा 45 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार की पूर्वानुमति से भारतीय खाद्य निगम (मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान) विनियम, 1967 में प्रागे संशोधन के लिए भारतीय खाद्य निगम एतद्वारा निम्न विनियम बनाता है :—

1. (1) ये विनियम भारतीय खाद्य निगम (मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1990 कहलायेंगे।

(2) ये संशोधन तुरन्त प्रभाव से लागू होंगे।

2. विनियम 4(3) के नीचे वर्तमान स्पष्टीकरण 4 निम्नानुसार प्रतिस्थापित होगा :—

“विनियम 4(3) के नीचे स्पष्टीकरण 4 :

उन सरकारी कर्मचारियों के विषय में, जो निगम में स्थाई/शीघ्र विलसन आधार पर नियुक्त हुए हैं, उपदान के मुग्तान हेतु अर्हक सेवा का परिकलन करते समय सरकार के अधीन की गई पिछली सेवा की गणना में नहीं लिया जायेगा।”

एस.एन. शर्मा, सचिव

भा. खा. नि. (मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान) विनियम, 1967 में हुए पिछले संशोधनों की सूची

क्र.सं.	शीर्षक	राजपत्र का प्रकाश	प्रकाशन की तिथि
1. भा.ख.नि. (मृ.त.से.उ.) विनियम, 1967	III खण्ड 4		9-9-67
2. भा.ख.नि. (मृ.त.से.उ.) (प्रथम संशोधन) विनियम, 1976	"		26-10-76
3. भा.ख.नि. (मृ.त.से.उ.) (द्वितीय संशोधन) विनियम, 1976	"		3-11-78
4. भा.ख.नि. (मृ.त.से.उ.) (तृतीय संशोधन) विनियम, 1978	"		16-11-78
5. भा.ख.नि. (मृ.त.से.उ.) (चतुर्थ संशोधन) विनियम, 1981	"		25-7-81
6. भा.ख.नि. (मृ.से.उ.) (5वां संशोधन) विनियम, 1982	"		28-8-82
7. भा.ख.नि. (मृ.त.से.उ.) (6वां संशोधन) विनियम, 1982	"		2-10-82
8. भा.ख.नि. (मृ.त.से.उ.) (7वां संशोधन) विनियम, 1983	"		5-11-83
9. भा.ख.नि. (मृ.से.उ.) (8वां संशोधन) विनियम, 1986	"		14-10-86
10. भा.ख.नि. (मृ.त.से.उ.) (9वां संशोधन) विनियम, 1986	"		31-10-86
11. भा.ख.नि. (मृ.त.से.उ.) (10वां संशोधन) विनियम, 1988	"		19-4-88

## NOTIFICATION NO. 54

No. EP. 39 (3)/83—In exercise of the powers conferred by Section 45 of the Food Corporations Act, 1964 (Act 37 of 1964) and with the previous sanction of the Government of India, the Food Corporation of India hereby makes the following Regulations, further to amend the Food Corporation of India (Death-cum-Retirement Gratuity) Regulations, 1967:—

1. (1) These Regulations shall be called the Food Corporation of India (Death-cum-Retirement Gratuity) (2nd Amendment) Regulations, 1990.

(2) The amendment shall come into force with immediate effect.

2. The existing Explanation 4 below Regulation 4(3) shall be substituted as under:-

“Explanation 4 below Regulation 4(3) :

In respect of Central Govt. employees who have been appointed in the Corporation on permanent/immediate absorption basis, the previous service rendered under the Govt. should not be taken into account while computing the qualifying service for payment of gratuity”.

S.N. SHARMA, Secy.

List of previous Amendments to the FCI (DCRG) Regulations, 1967

Sl. No.	Title	Part of Gazette	Date of Publication
1.	FCI (DCRG), Regulation, 1967	III Section 4	9-9-67
2.	FCI (DCRG) (1st Amendment) Regulations, 1976	-do-	26-10-76
3.	FCI (DCRG) (2nd Amendment) Regulations, 1978	-do-	3-11-78
4.	FCI (DCRG) (3rd Amendment) Regulations, 1978	-do-	16-11-78
5.	FCI (DCRG) (4th Amendment) Regulations, 1981	-do-	25-7-81
6.	FCI (DCRG) (5th Amendment) Regulations, 1982	-do-	28-8-82
7.	FCI (DCRG) (6th Amendment) Regulations, 1982	-do-	2-10-82
8.	FCI (DCRG) (7th Amendment) Regulations, 1983	-do-	5-11-83
9.	FCI (DCRG) (8th Amendment) Regulations, 1986	-do-	14-10-86
10.	FCI (DCRG) (9th Amendment) Regulations, 1986	-do-	31-10-86
11.	FCI (DCRG) (10th Amendment) Regulations, 1988	-do-	19-4-88